

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से पकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 194}

नई विल्ली, शनिवार, जुन 18, 1977 प्रयेष्ठ 28, 1899

No. 194]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 18, 1977/JYAISTHA 28, 1899

इस भा । में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 18th June 1977

G.S.R. 281(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend Central Excise Rules, 1944, namely—

- 1 These rules may be called Central Excise (14th Amendment) Rules, 1977.
- 2 In clause (a) of sub-rule (2) of rule 173RC after the words "including the month or months in which such excess occurs" the words ", whi hever is more" shall be inserted

[No 193/77-C.E.]

KRISHNA KANT, Under Secy.

# राजस्व तथा वैकिंग विभाग

(राजस्व पक्षः)

**ब्रि**धि (चिना

## केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

ज़ेर्ड दिल्ली, 18 जून, 📜 977

सा० का० नि० 281 (ग्र).—-केन्द्रीय सर्कार, केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क श्रीर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शिव्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क नियम, 1944 में श्रीर मशोधन करने के लिए निम्निलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात्:—

- 1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ( 14वा संशोधन ) नियम, 1977 है।
- 2. नियम 173 दग के उपनियम (2) के खण्ड (क) में "उक्त श्राधिक होता है" शब्दों के थान पर "उक्त श्राधिक्य होता है, इनमें से जो भी श्रधिक हो "शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 193 77-के० उ० शु०]

कृष्णा कात, भ्रवर मचिव।